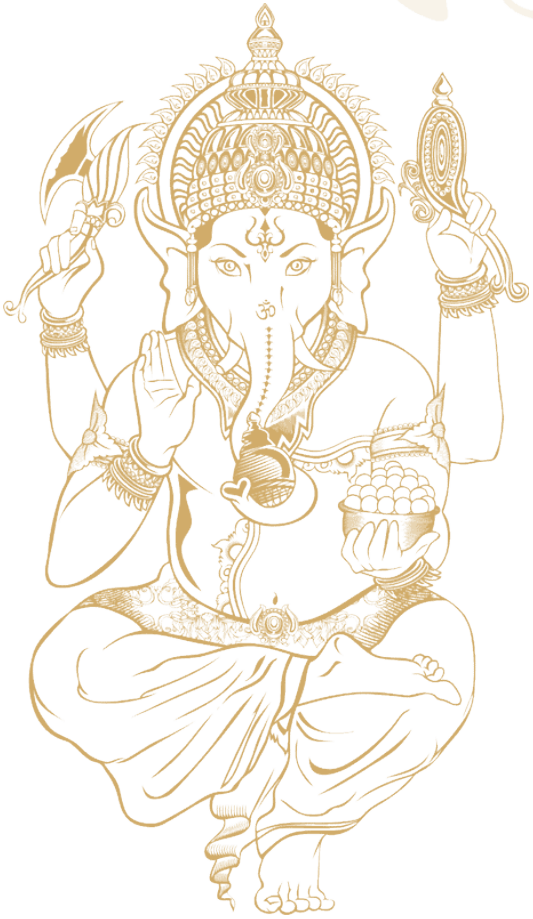

Mr. Girdhari Lal joshi

05 Nov 1962

07:34 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119629002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/11/1962**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:34:00 घंटे**
इष्ट	02:04:51 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:59:08 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	09:54:28 घंटे
सूर्योदय	06:44:03 घंटे
सूर्यास्त	17:52:46 घंटे
दिनमान	11:08:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:50:40 तुला
लग्न के अंश	28:57:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:57:28	313:50:03	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	18:50:40	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			मक	16:08:43	13:28:46	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	18:25:24	00:26:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध			तुला	06:38:54	01:37:08	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	09:33:32	00:01:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र	व	अ	वृश्चि	01:01:29	00:29:12	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि			मक	12:00:29	00:02:37	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		कर्क	10:21:51	00:03:11	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:21:51	00:03:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	11:22:11	00:01:57	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
नेप			तुला	19:50:56	00:02:15	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
प्लूटो			सिंह	18:24:51	00:01:13	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			सिंह	03:02:30	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:20:01

लग्न-चलित

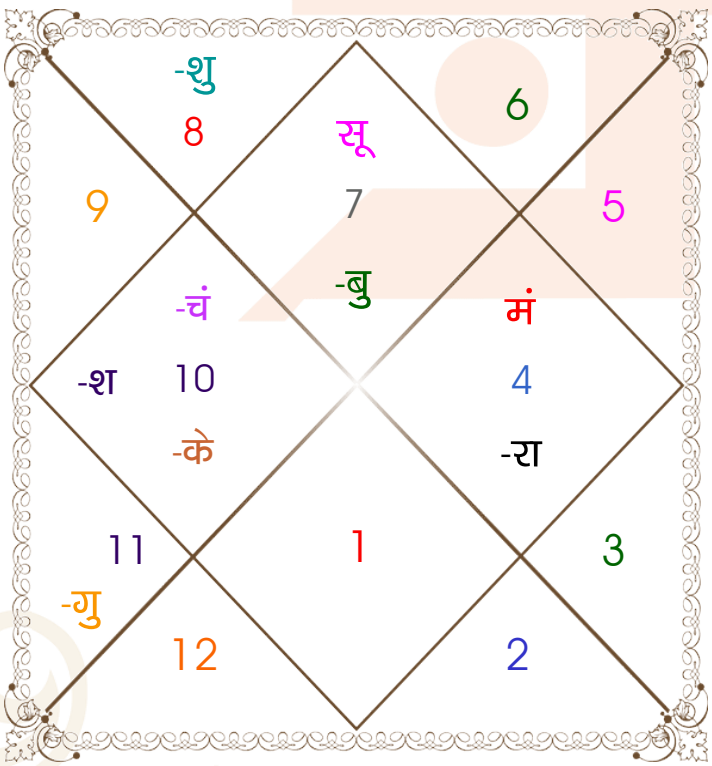

चन्द्र कुंडली

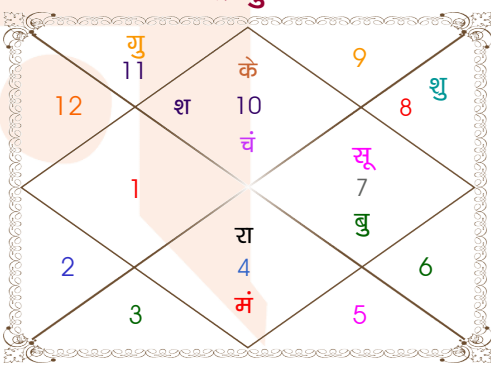

नवमांश कुंडली

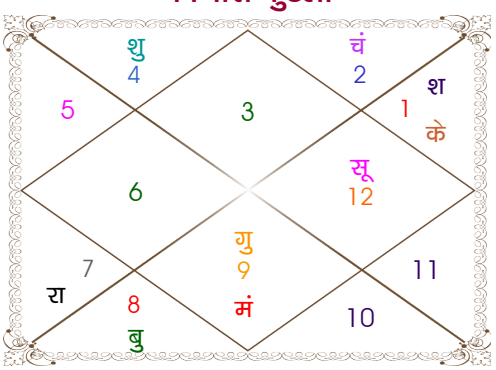

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 4 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/11/1962		27/03/1968		28/03/1975		27/03/1993		27/03/2009	
27/03/1968		28/03/1975		27/03/1993		27/03/2009		27/03/2028	
	00/00/0000	मंगल	23/08/1968	राहु	08/12/1977	गुरु	15/05/1995	शनि	30/03/2012
	00/00/0000	राहु	11/09/1969	गुरु	02/05/1980	शनि	26/11/1997	बुध	08/12/2014
	00/00/0000	गुरु	17/08/1970	शनि	09/03/1983	बुध	03/03/2000	केतु	17/01/2016
	05/11/1962	शनि	26/09/1971	बुध	26/09/1985	केतु	06/02/2001	शुक्र	19/03/2019
शनि	26/01/1964	बुध	22/09/1972	केतु	14/10/1986	शुक्र	08/10/2003	सूर्य	28/02/2020
बुध	26/06/1965	केतु	19/02/1973	शुक्र	14/10/1989	सूर्य	27/07/2004	चंद्र	29/09/2021
केतु	26/01/1966	शुक्र	21/04/1974	सूर्य	08/09/1990	चंद्र	26/11/2005	मंगल	08/11/2022
शुक्र	26/09/1967	सूर्य	27/08/1974	चंद्र	09/03/1992	मंगल	02/11/2006	राहु	14/09/2025
सूर्य	27/03/1968	चंद्र	28/03/1975	मंगल	27/03/1993	राहु	27/03/2009	गुरु	27/03/2028

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/03/2028		27/03/2045		27/03/2052		27/03/2072		27/03/2078	
27/03/2045		27/03/2052		27/03/2072		27/03/2078		00/00/0000	
बुध	24/08/2030	केतु	23/08/2045	शुक्र	27/07/2055	सूर्य	14/07/2072	चंद्र	26/01/2079
केतु	21/08/2031	शुक्र	23/10/2046	सूर्य	27/07/2056	चंद्र	13/01/2073	मंगल	27/08/2079
शुक्र	21/06/2034	सूर्य	28/02/2047	चंद्र	27/03/2058	मंगल	21/05/2073	राहु	25/02/2081
सूर्य	27/04/2035	चंद्र	29/09/2047	मंगल	28/05/2059	राहु	15/04/2074	गुरु	27/06/2082
चंद्र	26/09/2036	मंगल	25/02/2048	राहु	27/05/2062	गुरु	01/02/2075	शनि	05/11/2082
मंगल	23/09/2037	राहु	15/03/2049	गुरु	25/01/2065	शनि	14/01/2076		00/00/0000
राहु	11/04/2040	गुरु	19/02/2050	शनि	27/03/2068	बुध	19/11/2076		00/00/0000
गुरु	18/07/2042	शनि	31/03/2051	बुध	26/01/2071	केतु	27/03/2077		00/00/0000
शनि	27/03/2045	बुध	27/03/2052	केतु	27/03/2072	शुक्र	27/03/2078		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।